भारत सरकार

अन्तरिक्ष उपयोग केंद्र

अहमदाबाद

हिंदी माह समारोह – 2013

हिंदी टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता

हिंदी भाषा वर्ग

दिनांक : 02/03/13 (सोमवार) समय : 1 घंटा (1430 से 1530) कुल अंक : 100

हिंदी भाषा वर्ग : जिनकी मातृभाषा हिंदी , उर्दू, पंजाबी , सिंधी, राजस्थानी व कश्मीरी है |

प्र. 1 निम्न में से किन्ही 5 को अंग्रेजी मे लिखिए| (10)

1. समेकित रिपोर्ट मंगवा ली जाये|
2. इस काम को परम अग्रता दी जाये|
3. कृपया पावती भेजें |
4. विसंगतियों का पता लगाएँ|
5. अनुस्मारक भेजा जाय|
6. सूचनार्थ प्रस्तुत|

प्र. 2 निम्न में से किन्ही 5 को हिंदी मे लिखिए| (10)

1. Accident proneness
2. Ground resolution
3. Issue as amended
4. Lunar apogee
5. Proposal lacks justification
6. Systems Reliability Area
7. Signal and Image Processing Area

प्र. 3 निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखें व उनका वाक्यों मे प्रयोग करें। (15)

1. दान की बछिया के दांत नहीं देखे जाते।
2. नीम हकीम ख़तरा-ए-जान।
3. बोए पेड़ बबूल का तो आम कहाँ से होय।
4. अधजल गगरी छलकत जाय।
5. ओस चाटने से प्यास नहीं बुझती।

प्र. 4 निम्नलिखित को शुद्ध करें। (05)

1. उर्जा अवसोषण
2. पलायन प्रयाकिता
3. फैक्ट्री स्वीकृती परिक्षण
4. अन्वेशक प्रचालन
5. **X-Y** अलेखित्र

प्र. 5 निम्नलिखित वाक्य/शब्द समूहों के लिए एक शब्द लिखिए। (10)

1. जो आँखों के सामने न हो।
2. जो बात पहले कभी ना हुई हो।
3. जिसे प्राप्त करना मुश्किल हो।
4. कुछ भी न जानने वाला।
5. जिसे प्राप्त करना सरल हो।

प्र.6 निम्न लिखित विषयों मे से किन्ही तीन पर संक्षिप्त टिपण्णी लिखें। (50-60 शब्दों में) (15)

1. वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता।
2. राज्यों के विभाजन की आवश्यकता।
3. हिंदी के विकास मैं अपभ्रंश की भूमिका।
4. खेलों में भ्रष्टाचार।

प्र.7 निम्नलिखित गद्यांश को पढकर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए| (15)

प्रकृति ईश्वर की देन कही जाती है। यह ऐसी कृति है जिसमें किसी प्रकार की अशुद्धता विद्यमान नहीं है। यह ऐसा विज्ञान है, जो जटिल भी है और सरल भी। यहाँ सब इतना सुव्यवस्थित होता है कि मनुष्य दातों तले अंगुलियाँ दबा लेता है। इसकी व्यवस्था में कमी नहीं है इसके कोई दुष्परिणाम नहीं है। इसका सौंदर्य इसकी व्यवस्था, इसकी कार्यप्रणाली हमें सदियों से आकर्षित करती है। हम इसके आकर्षण से आज तक निकल नहीं पाए हैं। हम प्राचीन समय में इसका ही एक भाग थे। इसके साथ रहते हुए हम सुख और सौंदर्य का रसपान करते थे। परन्तु आधुनिकता ने हमारा और इसका संबंध तोड़ दिया है। परन्तु जब हम सुख पाने की इच्छा से इसके समीप जाते हैं, तो हमारे रक्त में सोया यह संबंध जागृत हो जाता है। हमारे संपूर्ण व्यक्तित्व पर एक झंझावत उत्पन्न होने लगता है और हम आंदोलित हो उठते हैं। आंदोलन की प्रक्रिया हमें अपने आज के स्वरूप से लड़ने के लिए प्रेरित करती है और हम कुछ समय के लिए प्रकृति का सानिध्य हमेशा पाने को तड़प उठते हैं। इस प्रकार हमार मस्तिष्क और हृदय विकल हो उठता है और वह प्रकृति के सानिध्य को अपने अंदर सहेजकर रखना चाहता है। हम आधुनिकता को कोसने लगते हैं। यही प्रकृति द्वारा आंदोलित करना कहलाता है। हमें प्रकृति जीवन में जीने की प्रेरणा देती है। जब कठिन समय हो और हमारे पास साहस समाप्त हो जाए, तो प्रकृति ही है जिसके सानिध्य में हमें सुख और आनंद प्राप्त होता है।

प्रश्न :

1. इस गद्यांश को एक उचित शीर्षक दीजिए|
2. हम आन्दोलित कब होते है?
3. प्रकृति हमें कैसे जीने की प्रेरणा देती है?
4. आधुनिकता हमें प्रकृति से कैसे दूर कर रही है?
5. आधुनिकता और प्रकृति का तालमेल क्यों आवश्यक है?

प्र. 8 अपनी पूर्व-अनुमोदित छुट्टी यात्रा रियायत (एलटीसी) के निरस्तीकरण तथा अग्रिम धन को वापस करने हेतु सक्षम अधिकारी को पत्र लिखिए। (10)

अथवा

अपने अनुभाग / प्रभाग की किसी विशेष उपलिब्ध को दर्शाता एक परिपत्र तैयार करें। (10)

प्र. 9 केंद्र नियंत्रक को कैन्टीन सुविधाओं पर सुझाव देते हुए एक पत्र लिखें। (10)

******